क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480 सह संपादक : संदीप मौर्या
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 291, बुधवार, 21 नवम्बर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

मुस्लिम पक्षकार इकबाल अंसारी का बड़ा बयान, राम मंदिर पर बने कानून हम समर्थन करते हैं

फैजाबाद, एजेंसी। राम मंदिर पर संभावित बिल को लेकर मुस्लिम पक्षकार इकबाल अंसारी ने बड़ा बयान दिया। लेकिन श्री अंसारी का यह बयान झल्लाकर नाराजगी भरे अंदाज में था। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के लिए कानून बनता है तो हमें कोई एतराज नहीं है। हम आने वाले कानून का समर्थन करेंगे। श्री अंसारी मंगलवार को अयोध्या स्थित अपने आवास पर मीडिया से मुखाबित थे। मुद्दई बाबरी मस्जिद श्री अंसारी ने कहा कि क्योंकि हम कानून को मानने वाले हैं, इसलिए हम बिल का समर्थन करेंगे। लेकिन देश में होना चाहिए अमन चैन। उन्होंने कहा कि यदि कानून बनने से रहता है देश में अमन चैन बना रहता है तो भाजपा जरूर कानून बनाए। हम देश का भला चाहते हैं। हमारे वालिद भी कहा करते थे कि हिन्दुस्तान में कानून का राज होना चाहिये। 24 व 25 नवम्बर को लेकर हमने पूरी बात सरकार को बता दिया है। उन्होंने बजरंग दल कार्यकर्ताओं को शस्त्र बांटे की बात पर कहा कि कहां क्या हो रहा है यह सरकार जाने।

हार्दिक पटेल और 2 अन्य के खिलाफ राजद्रोह व साजिश रचने के आरोप तय

एचटी, अहमदाबाद। अहमदाबाद की सत्र अदालत ने वर्ष 2015 के एक राजद्रोह के मामले में पाटीदार ओबीसी आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। कोर्ट ने हार्दिक पटेल के दो अन्य साथियों दिनेश बंभानिया और चिराग पटेल के खिलाफ भी आरोप तय कर दिए हैं। साल 2015 में, पाटीदार आरक्षण आंदोलन के बाद गुजरात के कई जिलों में हिंसा भड़क उठी थी। कोर्ट ने अहमदाबाद क्राइम ब्रांच द्वारा दायर 18 पेज के आरोपत्र पढ़ते वक्त धारा 124 (ए) (राजद्रोह) और 120 (बी) (आपराधिक साजिश) के आरोप तय किए। तीनों को पटेल आरक्षण को लेकर सरकार पर दबाव डालने के लिए हिंसा भड़काने का आरोपी भी बनाया गया है। **तीनों ने खुद को निर्दोष बताया है और फिलहाल तीनों जमानत पर हैं।**

हार्दिक ने कोर्ट से बाहर आकर कहा, 'मेरे खिलाफ राजद्रोह, सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने, लोगों को उकसाने के आरोप तय किए गए हैं, मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है। जरूरत पड़ी तो ऊपरी अदालत का रुख करूंगा।

चेन्नई :इन्नोर बंदरगाह पर एक तेल के टैंकर में रिसाव होने से समुद्र में चारों तरफ तेल फैल गया।

मृतकों में दो महिलाएं, पुलिस ने फैक्टरी मालिक को किया गिरफ्तार

कपड़ा फैक्टरी में लगी आग, 4 मरे करोलबाग के बिडनपुरा इलाके की घटना

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल जिला के करोल बाग स्थित कपड़ा फैक्टरी में सोमवार दिन में आग लगने से चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं शामिल हैं।

इस घटना में फैक्टरी में मौजूद हेल्पर भी मामूली रूप से झुलस गया जिसका राममनोहर लोहिया अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतकों की शिनाख्त भगन प्रसाद (55), राम नरेश (40),आशा (40) व आरती (21) जबकि घायल की पहचान अजित (25) के रूप में हुई। दमकल विभाग के मुताबिक बिडनपुरा इलाके में सोमवार दिन में करीब 12:23 मिनट पर थिनर से आग लगी थी । इस मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धाराओं में मामला दर्ज कर फैक्टरी मालिक अजय खुराना को गिरफ्तार कर लिया है। बिडनपुरा स्थित गली संख्या तीन के मकान संख्या 2917 की पहली मंजिल पर कोट पैंट में बटन लगाने एवं प्रेस करने का काम होता है। इसी में भगन प्रसाद, राम नरेश, आशा, आरती व अजित काम करते थे। सोमवार को भी हमेशा की तरह सामान्य काम चल रहा था। तभी अचानक कमरे में आग लग गई और इस बीच धीरे-धीरे पूरी फैक्टरी में फैल गई । सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची दो दमकम गाड़ियों ने आधे घंटे की मशक्त के बाद आग पर काबू पाया। चूंकि अजित प्रवेश द्वार पर था इसलिए मामूली रूप से झुलसने के बावजूद जान बचाने में कामयाब हो गया।

सूचना दीजिए, 50 लाख लीजिए

जघन्य घटना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगा उसे सरकार 50 लाख रुपये का इनाम देगी।

अमृतसर/नई दिल्ली, एजेंसी। अमृतसर ग्रेनेड हमले को लेकर पुलिस ने सोमवार को हमलावर संदिग्ध युवकों के स्केच जारी किए।

पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने संदिग्धों के बारे में जानकारी मुहैया कराने वाले को 50 लाख रपए का इनाम देने की घोषणा की।

निरंकारी भवन के प्रबंधक अजरुन सिंह ने सोमवार को इस मामले में एफ आईआर दर्ज कराते हुए बताया कि एक हमलावर ने जींस और टी-शर्ट पहनी हुई थी और दूसरा कुर्ता-पायजामा में था। इस बीच, पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि जो भी इस जघन्य घटना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएगा उसे सरकार 50 लाख रुपये का इनाम देगी।

जानकारी देने वालों का नाम गुप्त रखा जाएगा। इसके लिए एक मोबाइल नम्बर भी दिया गया है।

अमृतसर हमला स्थल का दौरा किया :

एनआईए की एक टीम ने सोमवार को ग्रेनेड हमले के स्थान का दौरा किया। पुलिस महानिरीक्षक की अगुवाई में तीन सदस्यीय टीम ने घटनास्थल का दूसरी बार दौरा किया। एजेंसी के एक अधिकारी ने कहा कि उनके साथ विस्फोटक के विशेषज्ञ भी थे।

राजनाथ ने की सुरक्षा स्थिति की समीक्षा :

उधर नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने हमले के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। इसमें केंद्रीय गृह सचिव राजीव गौबा, खुफ्मिा ब्यूरो के निदेशक राजीव जैन, रॉ प्रमुख अनिल कुमार धस्माना और अन्य मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

कर्नाटक को 546 करोड़ की केंद्रीय सहायता

नई दिल्ली, एजेंसी। पिछले दिनों आए ''गज' तूफान से प्रभावित कर्नाटक को केंद्र सरकार 546 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सहायता देगी। गृहमंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को यहां एक उच्च स्तरीय समिति की बैठक में यह फैसला किया गया। गृह मंत्रालय ने बताया, बैठक में कर्नाटक को अतिरिक्त केंद्रीय सहायता देने के बारे में विचार किया गया।

जब नहीं निपटी शिकायत तो गांव वालों ने अफसरों को दिया फूल, बोले न बनाओ फूल

गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में समाधान दिवस पर आए लोगों उस समय आश्चर्य में पड़ गए जब एक समूह अफसरों को फूल भेंट करने पहुंच गया। बोले, साहब यह फूल इसलिए चूंकि हम सब की शिकायतें नहीं सुनी जा रही है।? गांव के लोगों ने कहा कि कई बार शिकायत की गई। कोई निपटारा नहीं हुआ तो अफसरों को फूल देकर फूल न बनाने का भी अनुरोध किया गया। मंगलवार को जिले भर की तहसील मुख्यालयों पर संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन था। एसडीएम से लेकर जिलाधिकारी तक के अफसरों ने जनता की फरियाद सुनीं। कई मामले तो ऐसे आए। जिसमें मातहत अफसरों की ही लापरवाही दिखी। इसी दरमियान यहां गोंडा के सदर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों में आश्चर्यचकित स्थिति तब बन गई। जब लोगों का एक समूह वहां पहुंचा। पहले सभी अधिकारियों के हाथ में गुलाब का फूल पकड़वाया। फिर इन अफसरों ने इसकी वजह पूछी तो जो जवाब मिला। उसे सुन अन्य फरियादी भी अपनी हंसी रोक न सके। दरअसल जिन लोगों ने फूल भेंट किए। वे सब सदर तहसील क्षेत्र के डडवादसौतिया के निवासी हैं। यहां के ग्रामीण प्रशासनिक अफसरों की लचर कार्रवाई से पीड़ित हैं। उनका कहना था कि शिकायतें लेकर जाने पर सुनी नहीं जाती हैं। पिछले 18 महीने में 36 दफा शिकायतें की गई लेकिन आज तक उसका निस्तारण नहीं कराया गया। इससे 20 परिवारों के लोगों का आवागमन बाधित है।

ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। हर लोग परेशान हैं। ऐसी शिकायतें इन लोगों की थी। हालांकि? फूल लेने के बाद अफसरों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उन लोगों को वापस भेज दिय। फूल भेंट करने वालों में सच्चिदानंद मिश्र, दीपचन्द्र मिश्र, पवन कुमाए, राज कुमार, अमृतलाल व देव प्रभाकर सहित दो दर्जन लोग शामिल रहे।

प्रदूषण ने घटाई दिल्ली वालों की 10 साल उम्र!

नई दिल्ली, एजेंसी। सोमवार को एक नए अध्ययन में कहा गया कि पिछले दो दशकों के दौरान दिल्ली की वायु गुणवत्ता 2016 में सबसे ज्यादा घातक थी और इससे एक नागरिक की जीवन प्रत्याशा में 10 साल से अधिक की कमी आई है। इसमें यह भी बताया गया कि राष्ट्रीय राजधानी, देश के 50 सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में दूसरे नंबर पर रही। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इस समय दुनिया का दूसरा सबसे प्रदूषित देश है। उससे ऊपर केवल नेपाल है। इसमें कहा गया कि एशिया में जीवन प्रत्याशा की कमी सबसे ज्यादा हुई है जो भारत और चीन के अनेक हिस्सों में छह साल से ज्यादा कम हो गई। एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट एट द यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो (एपिक) द्वारा तैयार वायु गुणवत्ता जीवन सूचकांक और संलग्न रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में सूक्ष्मकणों से प्रदूषण से औसत जीवन प्रत्याशा 1.8 वर्ष कम हुई है जो यह मानव स्वास्य के लिए सबसे बड़ा नियंतग्र खतरा बन रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूक्ष्मकणों से प्रदूषण का जीवन प्रत्याशा पर असर एक बार में धूम्रपान से पड़ने वाले असर के बराबर, दोगुने अल्कोहल और मादक पदार्थ के सेवन, असुरक्षित पानी के तीन गुना इस्तेमाल, एचआईवी-एड्स के पांच गुना संक्रमण और आतंकवाद या संघर्ष से 25 गुना अधिक प्रभाव के बराबर हो सकता है।

दिग्विजय ने दी सरकार को कार्रवाई की चुनौती

भोपाल/पुणो। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री राजनाथ सिंह एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस को एल्गार परिषद मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई करने की चुनौती दी। उनका यह बयान पुणो पुलिस की उस टिप्पणी के बाद आया है, जिसमें कहा गया था कि एल्गार परिषद जांच मामले में एक पत्र बरामद हुआ है।

तालिबानी कृत्य:

पत्नी के थे किसी और से संबंध, पति ने कर दिया गंजा

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां सिविल लाइन थाना क्षेत्र निवासी युवक ने चरित्र पर संदेह होने पर मारपीट करने के साथ ही पत्नी को गंजा कर दिया।मामला महिला थाने तक पहुँच गया। हालांकि बाद में पत्नी ने समझौता होने के बात कहते हुए शिकायत वापस लेने की इच्छा जताई है। थाना सिविल लाइन के चक्कर की मिलक निवासी महिला ने 18 नवंबर को महिला थाने में शिकायती पत्र देकर पति पर गंभीर आरोप लगाया था। उसने पुलिस को बताया कि पति अनावश्यक रूप से उसके चरित्र पर संदेह करता है। इसी शक में उसने दो दिन पहले घर पर ही महिला दे जमकर मारपीट की। बाद में उसके बाल काट दिए। बाल कटने के बाद खुद को उपेक्षित महसूस कर रही महिला ने महिला थाना में शिकायत कर दी। हालांकि उसने तहरीर में केवल मारपीट उ उत्पीड़न की बात कही। महिला थाना पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तो आरोपी पति हैरान हो गया। उसने किसी तरह महिला को मना लिया। इसके बाद मंगलवार सुबह महिला दोबारा सिविल लाइन थाने पर पहुँची। उसने महिला थाना प्रभारी से मिलकर समझौता होने की बात बताई। इस संबंध में महिला थाना एसएचओ रजनी द्विवेदी ने बताया कि शिकायत मिली है। महिला ने समझौता हो जाने की बात कहते हुए एक दूसरा प्रार्थना पत्र भी दिया है। मामले में जो भी तथ्य सामने आएगा उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

टीईटी 2018 का सरल पेपर शिक्षामित्रों के लिए नौकरी की राह आसान करेगा

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) 2018 का सरल पेपर शिक्षामित्रों के लिए नौकरी की राह आसान करेगा। अभ्यर्थियों के अनुसार रविवार को हुई परीक्षा का पेपर पिछली परीक्षाओं की तुलना में आसान रहा। इससे परीक्षा में सम्मिलित शिक्षामित्रों को काफी राहत मिली क्योंकि यह उनके लिए दूसरा और आखिरी मौका है। 25 जुलाई 2017 को 1.37 लाख शिक्षामित्रों का बिना टीईटी सहायक अध्यापक पद पर समायोजन सुप्रीम कोर्ट से निरस्त होने के बाद संकट पैदा हो गया। सुप्रीम कोर्ट ने शिक्षामित्रों को अगली दो शिक्षक भर्ती में वेटेज देने का निर्देश दिया था। 68500 सहायक अध्यापकों की एक भर्ती हो चुकी है। लिखित परीक्षा में सफल सिर्फ 7224 शिक्षामित्रों को नौकरी मिल सकी है। इस प्रकार एक लाख से अधिक शिक्षामित्र फिर से सहायक अध्यापक बनने की लाइन में हैं। इनमें से बड़ी संख्या में शिक्षामित्रों ने टीईटी 2018 के लिए आवेदन किया था। टीईटी का पेपर ठीक होने से उनके सहायक अध्यापक बनने की उम्मीद बढ़ गई है क्योंकि 6 जनवरी को प्रस्तावित अगली शिक्षक भर्ती परीक्षा में शिक्षामित्रों को अलग से वेटेज मिलेगा। अधिकांश शिक्षामित्रों की उम्र 40 से 45 साल के बीच है। उम्र के इस पड़ाव पर टीईटी में 60 प्रतिशत अंक लाना आसान नहीं है। सरकार से मांग है कि शिक्षामित्रों को पासिंग नंबर में छूट प्रदान करने के लिए केंद्र से अनुमति प्राप्त करें। कौशल कुमार सिंह प्रदेश मंत्री, उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ।

यूपी के पूर्व डीजी बोले : देश में महाभारत रोकने के लिए मंदिर समस्या का हो समाधान

गोंडा, एजेंसी। यूपी के पूर्व डीजी होमगार्ड सूर्य कुमार शुक्ल ने कहा है कि श्रीराम जन्म भूमि मंदिर का विवाद 68 साल से कोर्ट में विचाराधीन है। देश को महाभारत से बचाने के लिए सरकारी और न्यायालय को शीघ्र समाधान निकालनी चाहिए। लोक तंत्र में जनता से बड़ी कोई शक्ति नहीं है।

श्री शुक्ल मंगलवार को आवास विकास में स्थित कच्चे बाबा आश्रम में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज में सांस्कृतिक पुनर्जागरण के उद्देश्य से मानवाधिकार सुरक्षा संघ की स्थापना आचार्य आनंद पंडित ने की है, जिसके तहत हम हिन्दु मुस्लिम समुदाय के बीच सौहार्द भाव से मंदिर के निर्माण के लिए वातावरण तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान राम हम सभी हिन्दू मुस्लिम के पूर्वज हैं। उनके भव्य मंदिर के निर्माण के साथ उनके आदर्श रामराज्य की स्थापना हो। युवाओं को रोजगार की गारंटी मिले। मानवाधिकार सुरक्षा संघ के संस्थापक आचार्य आनंद पंडित ने कहा कि वह समाज में मानवता के प्रसार के लिए सक्रिय हैं।जिलाध्यक्ष हरिओम तिवारी,अध्यक्ष देवी पाटन मंडल विनय कुमार शुक्ल,विजय प्रताप सिंह, राकेश अवस्थी, विनोद सिंह, अखिलेश शुक्ला, मनोज अग्रवाल, डॉ राजीव सिंह, हर्षित तिवारी, अवधेश शुक्ल, आशिष श्रीवास्तव,बब्लू मिश्रा रहें।

संपादकीय

आतंकवादी हमला पंजाब

अमृतसर के राजासांसी के अदलिवाला गांव में निरंकारी पंथ की धार्मिक सभा पर हुआ आतंकवादी हमला पंजाब में आने वाले बड़े खतरे का संकेत है। पिछले कुछ समय से पंजाब में अतिवाद एवं आतंकवाद के संदर्भ में जिस तरह की खबरें आ रही थीं, उनको देखते हुए इस हमले से आश्चर्य नहीं हुआ। लेकिन चिंता अवश्य बढ़ी है। पंजाब पुलिस के पास एक ओर कश्मीरी आतंकवादियों के प्रदेश में प्रवेश करने की सूचना थी तो खालिस्तानी तत्वों द्वारा फिर से हिंसा व विध्वंस फैलाने की साजिशों का भी इनपुट था। जालंधर में एक खालिस्तानी आतंकवादी गिरफ्तार हुआ था, जिसने पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा दीपावली के आसपास विस्फोट कराने की साजिशों के बारे में बताया था। वहीं से हथगोले के साथ एक कश्मीरी युवक भी गिरफ्तार हुआ था। कश्मीर का कुख्यात आतंकवादी जाकिर मूसा को पंजाब में देखे जाने की भी खबर आ गई थी। अचानक उसके पोस्टर तक देखे गए। इन सबके कारण पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा गया था। बावजूद यदि आतंकवादी हमला करने में सफल हो गए तो जाहिर है कि खतरे के सम्पूर्ण आकलन में कहीं कमी रह गई थी। पंजाब को 1980 के दशक की हिंसा में झोंकने की साजिशें लंबे समय से हो रही है। एक कोशिश वहां दंगा भड़काने की है। आरएसएस के नेताओं की हत्याएं इसी उद्देश्य से कराई गई ताकि हिन्दू-सिखों में लड़ाई शुरू हो जाए। ठीक यही सोच निरंकारी मिशन पर हमले के पीछे हो सकती है। 40 वर्ष पहले अमृतसर में ही निरंकारी मिशन पर हुए हमले के बाद दंगे भड़क गए थे और जनरैल सिंह भिंडरावाले वहीं से एक वर्ग का हीरो बनकर उभरा था। संत निरंकारी मिशन एक बड़ा समूह है। इसके अनुयायियों की संख्या करोड़ से ऊपर हो सकती है। पंजाब इनका मुख्य केन्द्र है। किंतु जिस संयम और शांति का परिचय निरंकारी मिशन ने दिया है,उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। अपने शांत व्यवहार से उन्होंने तत्काल आतंकवादियों के मंसूबों को विफल कर दिया है। उम्मीद करनी चाहिए कि पंजाब के लोग देश विरोधी तत्वों की साजिशों को इसी तरह विफल करेंगे। किंतु राज्य सरकार के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक जगह हमला में सफल होने का अर्थ है कि आगे भी इन्होंने ऐसे आसान लक्ष्यों का चयन किया होगा। राज्य सरकार को केन्द्र एवं अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय बनाकर इनके फन को उठने से पहले ही कुचलने के लिए सुनियोजित अभियान चलाना होगा। पूरा देश में इसमें पंजाब के साथ खड़ा होगा।

गुटों की हताशा, परेशानी घबराहट

युक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का यह कहना बिल्कुल सही है कि जलवायु परिवर्तन पर पेरिस समझौता का कोई विकल्प नहीं है। लेकिन गुटेरेस को ऐसा क्यों कहना पड़ा? तीन वर्ष पूर्व फ्रांस की राजधानी में दुनिया भर के नेताओं ने पृवी को बचाने के लिए समझौते में सबने अपने-अपने देशों और सामूहिक दायित्व तय किए थे। तीन साल बाद उस समझौते की परिणति क्या है, कहना कठिन है। अगले महीने पोलैंड के कटोविस शहर में 3 दिसम्बर से 14 दिसम्बर तक जलवायु परिवर्तन पर संरा के फ्रेमवर्क कन्वेंशन का 24वां सम्मेलन (कोप 24) आयोजित हो रहा है। पेरिस समझौता लंबी बातचीत के बाद संभव हुआ था और भारत की उसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। अमेरिका भी उसका साझेदार था। किंतु डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद कह दिया कि अमेरिका उसे समझौते से बाहर आ जाएगा। वे माने नहीं। यह समझौता नवम्बर 2016 से लागू हो चुका है। 197 में से 184 देशों ने इसकी मंजूरी दी है।

अमेरिका जैसा देश इससे सहमत नहीं है तो इसके सफल होने की संभावना अत्यंत कम हो जाती है। सम्मेलन के तीन मुख्य लक्ष्य निर्धारित हैं-पर्यावरण के अनुकूल तकनीक का विकास, पर्यावरण के पक्ष में काम करने वाले समाज को एकजुट करना और पर्यावरण निष्पक्षता हासिल करना। इनमें आरंभिक दो पर सहमति हो जाएगी। हालांकि इसे अमल में लाना आसान नहीं है। तकनीक का विकास तो नियंतग्र सहयोग से हो सकता है। इसमें विकसित देशों की मुख्य भूमिका होगी। लेकिन पर्यावरण निष्पक्षता ऐसा विषय है, जिस पर सहमति कठिन है। पेरिस समझौते का मूल लक्ष्य ग्रीन उत्सर्जन को कम करके पूर्व औद्योगिक स्तर से ऊपर औसत नियंतग्र तापमान से दो डिग्री सेल्सियस से नीचे बनाए रखना है, वरना विपत्तियां आ सकतीं हैं। पृवी और वायुमंडल को बचाना है तो विश्व को संकल्प और साहस के साथ कदम उठाने ही होंगे। अमेरिका भले क्षतिपूर्ति न देना चाहता हो, पर पृवी बचाने की जिम्मेवारी उसकी भी है।

लिपियों और लिखित भाषाओं का लोप

लिखित भाषाएं, वाचिक बोलियों की तुलना में ज्यादा दीर्घजीवी साबित हुई। भाषाविद् जानते हैं कि मानव सभ्यता के विकास के क्रम में अनेक लिपियों और लिखित भाषाओं का लोप हो चुका है। भाषाओं का विलोपन भाषा शास्त्रियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पूरी दुनिया में अनुसंधान हो रहे हैं कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों के अलावा इनके लिए कौन-कौन से भू-राजनीतिक, पर्यावरणीय तथा नृजातीय कारक जिम्मेदार हैं। किसी प्रकार उनका साहित्य बचा भी लें, तो अगली पीढ़ियों में उन्हें पढ़ने, जानने और समझने वाले लोग हमें कहां से मिलेंगे ? हिन्दी को एक प्रभुत्वशाली भाषा माना जाता है। इसे बहुत बड़े क्षेत्र में बोला, समझा, लिखा और पढ़ा जाता है।

सतीश पेडणोकर

हजारों साल पहले जब इस प्रायद्वीप पर विकसित हो रही सभ्यता ने शिलाखंडों पर अपनी चित्र लिपियों का उत्कीर्णन आरंभ किया होगा तो उसे लगा होगा कि यह संदेश कभी नष्ट नहीं होगा। बाद में जब उसने अपनी वर्ण लिपियों का विकास किया होगा और पत्थरों, लकड़ी की तख्तियों तथा धातु पत्रों पर अपनी बातें लिखनी शुरू की होंगी तो सोचा होगा कि इन्हें बोली गई बातों की तरह भुलाया नहीं जा सकेगा। उच्चारण दोष की वजह से इसका अर्थ परिवर्तन नहीं होगा। इसीलिए उन्हें अक्षर कहा गया होगा। अक्षर का अर्थ है अविनाशी। लिखित भाषाएं, वाचिक बोलियों की तुलना में ज्यादा दीर्घजीवी साबित हुई। भाषाविद् जानते हैं कि मानव सभ्यता के विकास के क्रम में अनेक लिपियों और लिखित भाषाओं का लोप हो चुका है। भाषाओं का विलोपन भाषा शास्त्रियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। पूरी दुनिया में अनुसंधान हो रहे हैं कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारणों के अलावा इनके लिए कौन-कौन से भू-राजनीतिक, पर्यावरणीय तथा नृजातीय कारक जिम्मेदार हैं। किसी प्रकार उनका साहित्य बचा भी लें, तो अगली पीढ़ियों में उन्हें पढ़ने, जानने और समझने वाले लोग हमें कहां से मिलेंगे?

हिन्दी को एक प्रभुत्वशाली भाषा माना जाता है। इसे बहुत बड़े क्षेत्र में बोला, समझा, लिखा और पढ़ा जाता है। यहां तक कि देश के बाहर कई पड़ोसी देशों में भी हिन्दी बोली-समझी जाती है, और एक सीमित स्तर पर पढ़ी-लिखी भी जाती है। देश में इस भाषा का प्रयोग करने वाले लोग 40 करोड़ से भी अधिक हैं। यह विश्व की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली पांच भाषाओं में से एक है। इसे संविधान और सरकार का समर्थन हासिल है। इसीलिए देश के कई क्षेत्रों से यह आवाज भी उठती है कि हिन्दी वर्चस्ववादी है, यह धीरे-धीरे क्षेत्रीय भाषाओं को निगल रही है। लेकिन इसी प्रभुत्वशाली भाषा हिन्दी की अपनी लिपि देवनागरी संकट में है। टेक्नोलॉजी के झटकों से अक्षरों की निर्धारित बनावट और सुनिश्चित वर्णमाला में बार-बार परिवर्तन करने पड़ रहे हैं।

उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध से अब तक तीन बार इस अविनाशी आकृति (लिपि) के रूप में परिवर्तन किए जा चुके हैं। जब छापाखाना आया तो छपाई की सुविधा के अनुरूप अक्षरों के सांचे गढ़े गए। आजादी के बाद जब सरकारी दफ्तरों में टाइपराइटरों ने राष्ट्रभाषा गुनगुनाना शुरू किया तो उनकी सुविधा से लिपियों और वर्तनी में संशोधन किया गया। प वाला अ गायब हो गया, र वाला ण गायब हो गया। अंग् वाली गंगा अनुस्वार वाली गंगा में बदल गई। हॅसी, हंसी में बदल गई। ऐसा इसलिए हो रहा था, क्योंकि टाइपराइटरों के कुंजी पटल पर इनका निर्वाह मुश्किल हो रहा था। इसीलिए 1967 में लागू हुई राजभाषा समिति की सिफारिशों ने कई अक्षरों की आकृति अमान्य कर दी और कुछ को त्याग दिया। लेकिन नब्बे के दशक में कंप्यूटर आने शुरू हुए और उन्होंने टाइपराइटरों की वे सीमाएं तोड़ दीं। उनके लिए कोई भी आकृति बनाना संभव था, इसलिए जिसे त्याग दिया गया था, वह फिर से प्रचलन में आ गया। यह कोई नई बात नहीं है। तकनीक ने लिपियों की बनावट को हमेशा प्रभावित किया है। चौथी से आठवीं शताब्दी तक उत्तर भारत की भाषा मुख्य रूप से संस्कृत थी, जो देवनागरी में लिखी जा रही थी। कलम के इस्तेमाल के कारण इनके अक्षरों के खड़े डंडों के सिर और पैर ठोस त्रिकोण के आकार के हो गए। पैरों के पास के त्रिकोण धीरे-धीरे एक प्रकार के पाद चिह्नों में बदल गए, जो हलंत की तरह दिखते थे। उत्तर भारत में सरकंडे आसानी से उपलब्ध थे, इसलिए लेखन के लिए सरकंडे की कलम का उपयोग हो रहा था। दक्षिण में लिखने के लिए शलाका या कीलों का उपयोग किया जाता था। वे ताड़ पत्रों पर लिखते थे, क्योंकि ताड़ पत्र वहां बहुतायत में उपलब्ध थे। ताड़ पत्रों पर कीलों से सीधी रेखा खींची जाती थी, तो वे फट जाते थे। इससे बचने के लिए उनके अक्षर धीरे-धीरे गोल बनाए जाने लगे। इसीलिए उस काल से दक्षिण में विकसित लिपियों में हम अधिकाधिक गोल आकृतियों का दर्शन करते हैं। इसलिए पिछले दो सौ वर्षों में देवनागरी लिपि में जो परिवर्तन हुए हैं, वे असामान्य नहीं हैं। उपलब्ध साधनों और तकनीक के अनुसार विश्व की तमाम लिपियों की आकृति में बदलाव हुए हैं। लेकिन परिवर्तन के क्रम पर नजर डालने से दो बातें स्पष्ट हो जाती हैं। एक, यह देवनागरी लिपि की आकृति के अविचल और अपरिवर्तनीय बने रहने की धारणा को ध्वस्त कर देती है। दूसरे, जिसे हम संस्कृत से प्राप्त देवलिपि मानते हैं, उसे तकनीक के साथ बदलना ही है। पहले भी वह ब्राह्मी से बदल कर देवनागरी बनी थी। लेकिन आज तकनीक के बदलाव अतीत से कहीं तेज हैं। उसके साथ देवनागरी को फिर बदलना होगा। लेकिन कंप्यूटर युग का अवसान भी अनुमान से कहीं पहले हो सकता है। एक दूसरा संकट सिर उठाता नजर आ रहा है। जिस बॉलीवुड के सिर पर फिल्मों और गीतों के माध्यम से पूरे दक्षिण एशिया में हिन्दी को लोकप्रिय बनाने का सेहरा बंधा था, वहां हिन्दी फिल्मों के संवाद और गीत देवनागरी के बदले रोमन लिपि में लिखे जाते हैं। अलग-अलग पृष्ठभूमि और भाषायी क्षेत्रों से आने वाले कलाकारों, निर्देशकों और तकनीशियनों को यह ज्यादा सुविधाजनक लगता है। बहुत सारे लोग भी व्हाट्सऐप और फेसबुक पर हिन्दी के अपने संदेश रोमन लिपि में ही लिख रहे हैं। और अब तो बाजार में ''अंग्रेजी में लिखो, हिन्दी में पढ़ो' की तकनीक भी आ चुकी है। हमें कंप्यूटर या सेल फोन पर सिर्फ एक ऐप डाउनलोड करना है। फिर जो कुछ भी रोमन लिपि में लिखा जाएगा, उसे वह देवनागरी में परिवर्तित कर कर देगा। आम धारणा है कि रोजगार का दबाव लोगों को पढ़ने-लिखने को बाध्य करेगा। पढ़ने-लिखने के लिए भाषा का ज्ञान आवश्यक बना रहेगा। लेकिन बॉलीवुड का उदाहरण बताता है कि देवनागरी के ज्ञान के बिना भी वे हिन्दी का काम कर सकते हैं यानी हिन्दी के लिए उसकी एक प्रबल पहचान देवनागरी की अनिवार्यता समाप्त हो रही है। निरक्षर कामगारों का अध्ययन बताता है कि बिना लिखित भाषा के ज्ञान के भी वे अपने पेशे का हुनर सीख सकते हैं, रोजगार में बने रह सकते हैं।

सत्संग

ज्ञान

शिक्षक ज्ञान का प्रसारक नहीं है। जैसे उसकी स्थिति है, वह उस ज्ञान का स्थापित, स्थायी रखने वाला है। हमेशा अतीत के घेरे से बाहर नहीं उठने देना चाहता है। परिणाम होता है कि हजार-हजार साल तक न मालूम किस-किस प्रकार की नासमझियां, किस-किस तरह के अज्ञान चलते चले जाते हैं। उनको मरने नहीं दिया जाता, मरने का मौका नहीं दिया जाता। राजनीतिज्ञ भी यह समझ गया है, इसलिए शिक्षक का शोषण राजनीतिज्ञ भी करता है। सबसे आश्चर्य की बात है कि इसका शिक्षक को कोई बोध नहीं है कि उसका शोषण होता है सेवा के नाम पर। किस-किस तरह का शोषण होता है? अभी मैं कुछ दिन पहले शिक्षकों की एक बड़ी विराट सभा में बोलने गया। शिक्षक-दिवस था। मैंने उनसे कहा कि एक शिक्षक राष्ट्रपति हो जाए तो इसमें शिक्षक का सम्मान क्या है? मेरी समझ में आए, एक राष्ट्रपति शिक्षक हो जाए तब तो शिक्षक का सम्मान समझ में आता है, लेकिन एक शिक्षक राष्ट्रपति हो जाए इसमें शिक्षक का सम्मान कौन -सा है। राष्ट्रपति शिक्षक हो जाए और कह दे कि यह व्यर्थ है, और मैं शिक्षक होना चाहता हूं और शिक्षक होना आनंद है, तब तो हम समझेंगे कि शिक्षक का सम्मान हुआ। लेकिन एक शिक्षक राष्ट्रपति हो जाए, इसमें शिक्षक का सम्मान नहीं है, राजनेता का सम्मान है। जब एक शिक्षक सम्मानित होता हो राष्ट्रपति होकर तो फिर बाकी शिक्षक भी अगर हेडमास्टर, स्कूल इंस्पेक्टर, एजुकेशन मिनिस्टर होना चाहें, तो कोई गलती है? सम्मान तो वहां है जहां पद है, और पद वहां है जहां राज्य है। लेकिन सारा ढांचा हमारे चिंतन का ऐसा है कि सब पीछे हैं, और सबके ऊपर राज्य, ऊपर राजनीति है। राजनीतिज्ञ जाने-अनजाने शिक्षक द्वारा अपनी विचार-स्थिति को, अपनी धारणाओं को बच्चों में प्रवेश करवाता रहता है। धार्मिक भी करता रहा है। धर्म-शिक्षा के नाम पर यही चलता रहा है..कि हर धर्म कोशिश करता है कि बच्चों के मन में अपनी धारणाओं को प्रवेश करा दे, चाहे वे सत्य हों, चाहे असत्य हों। और उस उम्र में प्रवेश करवा दे जब बच्चे में कोई सोच-विचार नहीं होता है। इससे घातक अपराध मनुष्य-जाति में कोई दूसरा नहीं है, और न हो सकता है। एक अबोध और अनजान बालक के मन में भाव पैदा कर देना कि कुरान में जो है, वह सत्य है, या गीता में जो है, वह सत्य है, या भगवान हैं तो मोहम्मद हैं, या भगवान हैं तो महावीर हैं, या कृष्ण हैं..ये सारी बातें एक अबोध, अनजान, निदरेष बच्चे के मन में प्रविष्ट करा देना..! इससे बड़ा कोई घातक अपराध नहीं हो सकता।

चलते चलते

चाईनीज भी चाईनीज

चाईनीज टीवी चैनलों पर एक फर्जी, तकनीकी तौर पर बनाया गया एंकर खबर पढ़ सकता है, ऐसी तकनीक चीन ने विकसित कर ली है। किसी इंसान की जरूरत नहीं है बतौर एंकर, तकनीक द्वारा तैयार किया गया एंकर सारी खबरें बांच जाएगा।

तानाशाही माहौल में पत्रकारिता वैसे भी नहीं होती। जो चाईनीज पत्रकारिता वहां के सरकारी टाइप टीवी चैनलों और अखबारों में होती है, उसका भी चाईनीज हो गया है। चाईनीज टीवी चैनलों पर एक फर्जी, तकनीकी तौर पर बनाया गया एंकर खबर पढ़ सकता है, ऐसी तकनीक चीन ने विकसित कर ली है। किसी इंसान की जरूरत नहीं है बतौर एंकर, तकनीक द्वारा तैयार किया गया एंकर सारी खबरें बांच जाएगा। चाईना में खबरें पहले ही चाईनीज टाइप थीं, अब एंकर भी चाईनीज हो लिया। चाईनीज टाइप तकनीकी एंकर देर सबेर भारत भी आएगा। तकनीक से फर्जी एंकर तैयार हो सकता है, तो तकनीक से राजनीतिक दल भी फर्जी प्रवक्ता तैयार करके भेज सकते हैं टीवी चैनलों के डिस्कशन में। वैसे, यह मसला अलग है कि अब भी कई राजनीतिक दलों के प्रवक्ता टीवी चैनलों पर जो बातें करते हैं, वह फर्जी ही होती हैं। तमाम राजनीतिक दलों के प्रवक्ताओं के बीच इस कदर मारधाड़ हो गई टीवी चैनलों पर कि जरूरत महसूस होने लगी है कि चैनलों पर राजनीतिक दलों के सिर्फ शाब्दिक प्रवक्ता ना आएं, दैहिक प्रवक्ता भी आएं। दैहिक प्रवक्ता यानी पहलवान देह के प्रवक्ता टेलीविजन स्टूडियो में आएं, जो माराधाड़ी मचाएं। एंकर की टेबल के सामने ही एक लघु अखाड़ा बना रहे, सारे प्रवक्ता उसमें घुसकर एक दूसरे की पिटाई ठुकाई करें, तो टीवी पर अलग तरीके का एक्शन चमकेगा। कबूतरों की लड़ाई के एक्सपर्ट जानते हैं कि कबूतर आसानी से लड़ने के तैयार नहीं होते। एक उस्ताद दोनों की चोंच लड़वाता है। दोनों की चोंचें लड़ती हैं, फिर एक दूसरे के खिलाफ खुंदक का विकास होता है। फिर दोनों भिड़ जाते हैं। गौर से देखें कई टीवी चैनलों को, पहले एक डिस्कशन में तीन चार लोग भागीदारी कर रहे होते हैं, किन्हीं में भीषण चोच-लड़ंत हो जाती है, फिर दोनों एक दूसरे से भीषण लड़ाई करने लगते हैं। और फिर टीवी चैनल से सब गायब हो जाते हैं, सिर्फ ये दो लड़ाकू ही बचते हैं। सिर्फएक्शन बचता है। चाईनीज पद्धित से बने एंकर और तमाम राजनीतिक दलों के प्रवक्ता भारतीय टीवी चैनलों पर धांसू एक्शन का सृजन कर सकते हैं। आइए, चाईनीज एंकर टेकनोलोजी का स्वागत करें, राजनीतिक दलों के दैहिक प्रवक्ताओं का इंतजार करें।

फोटोग्राफी...

संसद भवन में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित

नई दिल्ली : पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की 101वीं सालगिरह के मौके पर संसद भवन में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करने के लिए आए गृहमंत्री राजनाथ सिंह, संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, राज्यसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद व अन्य।

''दुश्मन व्यवस्था'

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में उसके नक्सलवादी हिंसा-पीड़ित क्षेत्रों के मतदाताओं ने, आम दिनों में सरकारी और नक्सली पाटों के बीच पिसते रहना जिनकी नियति बनी रहती है, अपने डर को बदलाव की आकांक्षा पर भारी नहीं पड़ने दिया। बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचने का हौसला दिखाया तो कई ''शब्दवीरों' को नये सिरे से मुखर होने का मौका हाथ लग गया है। इतिहास गवाह है, इन ''शब्दवीरों' का कोई ठिकाना नहीं कि कब सुरक्षा बलों के ''सफल' ऑपरेशनों में नक्सली नेताओं के मारे/पकड़े जाने से नक्सलियों का मनोबल बुरी तरह टूट जाने का दावा करने लगें और कब उनकी ''तिरुपति से पशुपति तक' लाल गलियारा बनाने की योजना को देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बताने लगें। दरअसल, वे ऐसे सवालों की हत्या कर देना चाहते हैं कि जिस चुनाव को लोकतंत्र का पर्व कहा जाता है, उसमें बंदूकों की इतनी ''भागीदारी' क्या कहती है, उसके संकेत कितने लोकतांत्रिक हैं? और क्यों वह दशक दर दशक घटने के बजाय बढ़ती जा रही है? सवाल नक्सलियों से भी पूछे जा रहे हैं, और सरकार से भी। इन सवालों का अब तक अनुत्तरित रहना साफ जताता है कि हमारी राज व्यवस्था, सरकारें किसी भी झंडे या चुनाव चिह्न की रही हों, हर नक्सली हमले के वक्त बर्बर, जघन्य और कायराना वगैरह कहकर निंदा करने के साथ ही अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेती हैं।

अपेक्षा करती रही हैं कि उसको समस्या के सारे अनर्थो और जिम्मेदारियों से तो बरी कर ही दिया जाए, उसकी नीतिहीनता को भी कतई प्रश्नांकित न किया जाए। आखिरकार, नक्सलियों ने कब कहा कि उनका लोकतंत्र में अगाध विास है, और वे इसकी परीक्षा देने को तैयार हैं? उन्होंने तो इस राज व्यवस्था को उखाड़ फेंकने को अपना खुला लक्ष्य घोषित कर रखा है, और दावा करते हैं कि वे उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अनवरत युद्ध संचालित कर रहे हैं। उनके पास इसकी 2050 तक पूरी होने वाली एक दीर्घकालिक योजना भी बताई जाती है। उनके अपने शिविर में भी कोई इस योजना के आड़े आता है, तो वे उसे बख्शते नहीं।

''दुश्मन व्यवस्था' के किसी प्रतिनिधि को पकड़ लेते हैं, तो उस पर युद्धबंदी का टैग लगा देते हैं, और मांग करते हैं कि उनके जो प्रतिनिधि सरकारी जेलों में हैं, उनके साथ भी युद्धबंदियों जैसा ही सुलूक किया जाए। कभी ''ऑपरेशन ग्रीनहंट' की सोचती है यानी अपने नागरिकों के खिलाफसेना के इस्तेमाल की और कभी ''नक्सलपीड़ित' आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने की। नक्सलवाद पीड़ित राज्यों में राजव्यवस्था के अजीबोगरीब ढर्रे के कारण ही अहिंसक गांधीवादियों तक की सक्रियता मुश्किल हो चली है। पहला, जमीनी सच्चाई को छुपाना कि देश की आर्थिक व्यवस्था और विकास के नाम पर आदिवासियों के संसाधनों का लगातार शोषण ही नक्सलवाद का प्रमुख कारण है क्योंकि यह उनके सशस्त्र समूहों के लिए जगह बनाता है। दूसरा, सरकारी तंत्र से जवाबदेही की मांग करने और उसके शोषण, उत्पीड़न व भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने वाले सामाजिक कार्यकर्ताओं का ''शिकार' करना। इन हालात में सवाल को और बड़ा करें तो लोकतंत्र और उसके मूल्यों पर बड़े हमले नक्सली कर रहे हैं, या संगठित राज व्यवस्था? नक्सलपीड़ित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की गतिविधियों से ही सरकारों के होने का पता चलता है, और राज व्यवस्था राजधानियों में मोद मनाती रहती है?

सार समाचार

भारत, रूस के बीच भारतीय नौसेना के लिए दो युद्धपोतों के निर्माण का करार

नयी दिल्ली। भारत और रूस ने मंगलवार को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रारूप के तहत भारतीय नौसेना के लिए गोवा में दो युद्धपोतों के निर्माण के लिहाज से 50 लाख डॉलर के सौदे पर हस्ताक्षर किये। अधिकारियों ने कहा कि रक्षा क्षेत्र की पीएसयू गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) और रूस की सरकारी रक्षा निर्माता रोसोबोरोनएक्सपोर्ट के बीच परियोजना के लिए करार किया गया। यह समझौता रक्षा सहयोग के लिए सरकार से सरकार के बीच रूपरेखा के तहत किया गया। इस सौदे के तहत रूस भारत में युद्धपोतों के निर्माण के लिए जीएसएल को डिजाइन, प्रौद्योगिकी और कुछ सामग्री प्रदान करेगा।जीएसएल के सीएमडी शेखर मित्तल ने पीटीआई को बताया, ''हमने गोवा में दो युद्धपोतों के निर्माण के लिए रूस के साथ 50 करोड़ डॉलर के समझौते को अंतिम रूप दिया है।''उन्होंने बताया कि युद्धपोतों का निर्माण 2020 में शुरू होगा और पहला जहाज 2026 में जलावतरण के लिए तैयार होगा, वहीं दूसरा 2027 तक तैयार होगा।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी आग से मरने वालों की तादाद 79 पहुंची

पैराडाइज (अमेरिका)। कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी भीषण आग की चपेट में आकर मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 79 हो गई है। उत्तरी कैलिफोर्निया के शेरिफ ने बताया कि सोमवार को कुछ और मानव अवशेष मिले हैं। बुटे काउंटी शेरिफ कोरी होनिया ने कहा कि जंगल में आग लगने की घटना के बाद लापता लोगों की सूची में अब 700 लोगों के नाम हैं। यह सोमवार को बताई गई कुल संख्या से लगभग 300 कम है। अधिकारियों ने कहा कि लापता लोगों में से कई सुरक्षित हो सकते हैं, हो सकता है कि उन्हें पता ही नहीं हो कि उनका नाम लापता सूची में है। कैंप फायर में लगी आग गत आठ नवंबर को ग्रामीण इलाके पैराडाइज में फैल गई थी। आग की चपेट में आकर 12,000 से अधिक घर नष्ट हो गए। खाली पड़े घरों में लूटपाट करने के आरोप में अधिकारियों ने पिछले हफ्ते पांच पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया था।

शिकागो के अस्पताल में गोलीबारी, चार लोगों की मौत

शिकागो। शिकागो स्थित एक अस्पताल के पार्किंग में कहासुनी के बाद सोमवार को एक व्यक्ति द्वारा की गई गोलीबारी में एक पुलिस अधिकारी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। मर्सी अस्पताल में पुलिस और आरोपी व्यक्ति के बीच मुठभेड़ में उसके मारे जाने के बाद ही यह मामला शांत हुआ। पुलिस अधीक्षक एडी जॉन्सन ने संवाददाताओं से कहा कि चार लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में एक पुलिस अधिकारी, अस्पताल की दो महिला कर्मचारी और आरोपी शामिल हैं। जॉन्सन ने कहा कि पार्किंग में कहासुनी के दौरान आरोपी ने पहले एक महिला को गोली मारी जिसके साथ उसके घरेलू संबंध थे। फिर उसने पुलिसकर्मी को गोली मारी और भागकर अस्पताल के अंदर घुस गया। उन्होंने बताया कि स्वाट टीम सहित अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा। वहां पुलिस और आरोपी के बीच संक्षिप्त मुठभेड़ हुई। जॉन्सन ने कहा कि इस मुठभेड़ के दौरान आरोपी ने लिफ्ट से बाहर निकली एक अन्य महिला को गोली मार दी। आरोपी बेहद गंभीर रूप से घायल था।

पाकिस्तान ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया, ट्रंप के बयान पर जताया विरोध

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान ने मंगलवार को एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब किया और ओसामा बिन लादेन पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कड़ा विरोध दर्ज कराया और कहा कि ÷यह इतिहास का बंद हो चुका अध्याय है÷ और इससे द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर असर पड़ सकता है। ट्रंप ने रविवार को और बाद में अपने ट्वीटों में पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने पर उसे दी जाने वाली लाखों डॉलर की सैन्य सहायता को बंद करने के अपने प्रशासन के फैसले का बचाव किया था। ट्रंप ने अल-कायदा प्रमुख बिन लादेन को एबटाबाद में छिपने का ठिकाना देने के लिए भी इस्लामाबाद की आलोचना की।

राष्ट्रपति ने फॉक्स न्यूज से कहा, ''हम पाकिस्तान को हर साल 1.3 अरब डॉलर देते हैं। बिन लादेन पाकिस्तान में रह रहा था। हम उस पाकिस्तान का समर्थन कर रहे हैं। हम उसे हर साल 1.3 अरब डॉलर दे रहे हैं। अब हम उन्हें यह नहीं देते। मैंने इसलिए देना बंद कर दिया क्योंकि वो हमारे लिए कुछ नहीं करते।''पाकिस्तान के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता मुहम्मद फैसल ने मंगलवार को बताया, ''विदेश सचिव (तहमीना जांजुआ) ने अमेरिका के कार्यवाहक राजदूत पॉल जोन्स को तलब किया और पाकिस्तान के खिलाफ लगाये गये अवांछित और अपुष्ट आरोपों पर कड़ा ऐतराज दर्ज कराया।''

उन्होंने अपने बयान में कहा, ''अमेरिकी राष्ट्रपति के हालिया ट्वीट और टिप्पणियों पर सरकार की निराशा प्रकट करते हुए अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत को बताया गया कि पाकिस्तान के बारे में इस तरह के बेबुनियाद बयान पूरी तरह अस्वीकार्य हैं।''फैसल ने बताया कि जांजुआ ने बिन लादेन के बारे में किये गये कटाक्ष को खारिज कर दिया और जोन्स को याद दिलाया कि पाकिस्तान के खुफिया सहयोग की वजह से ही बिन लादेन के बारे में शुरूआती सबूत मिले थे। जांजुआ ने जोन्स से कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तान से ज्यादा कीमत किसी दूसरे देश ने नहीं चुकाई।

भारतीय-अमेरिकी हार्वर्ड छात्र निकाय की अध्यक्ष चुनी गयी

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी महिला को प्रख्यात हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शक्तिशाली छात्र निकाय का अध्यक्ष चुना गया है। 20 वर्षीय श्रुति पलानीअप्पन को हार्वर्ड यूनिवर्सिटी अंडरग्रेजुएट काउंसिल का अध्यक्ष चुना गया है। पलानीअप्पन के परिजन 1992 में चेन्नई से अमेरिका आकर बस गए थे। अंडरग्रेजुएट काउंसिल चुनाव आयोग की घोषणा के मुताबिक उनकी साथी जूलिया हुएजा (20) को उपाध्यक्ष चुना गया है। पलानीअप्पन ने कहा कि वे दोनों पद संभालने के बाद सबसे पहले छात्र निकाय और काउंसिल के बीच संचार को सुधारने पर काम करने की योजना बना रही हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे हिसाब से शुरूआत में छात्रों के साथ बातचीत करने के तरीके को सही करने की जरूरत है जिसके लिए हमें योजना बनाने की आवश्यकता है।÷ विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों के लिए निकाले जाने वाले अखबार हार्वर्ड क्रिमसन को उन्होंने बताया, 'मेरे विचार में छुट्टी पर जाने से पहले ही हम इस पर काम करने वाले हैं और बहुत तेजी से इसको शुरू करने वाले हैं।' पलानीअप्पन जुलाई 2016 में फिलाडेल्फिया में हुए डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन में सबसे युवा प्रतिनिधि थीं।

डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर भड़के पाक ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अमेरिका और पाकिस्तान के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान से भड़के पाकिस्तान ने मंगलवार को एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन के संदर्भ में ट्रंप के बयान को आधारहीन बताते हुए कहा कि यह इतिहास का बंद अध्याय है। पाकिस्तान ने इस तरह के बयानों से द्विपक्षीय संबंधों पर गंभीर प्रभाव पड़ने की बात भी कही।

ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सहायता रोके जाने के फैसले को सही ठहराते हुए रविवार को कहा था कि अमेरिका के लिए पाकिस्तान किसी काम का नहीं है। अमेरिका से करोड़ों की मदद लेकर वह आतंकियों को पनाह देता रहा। ट्रंप ने पाकिस्तान में मारे गए ओसामा बिन लादेन का भी जिक्र किया। आतंकी संगठन अल कायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन को 2011 में अमेरिकी सेना ने पाकिस्तान के एबटाबाद में मार गिराया था।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि अमेरिकी राजनयिक पॉल जान्स को तलब कर आपत्ति जताई गई है। उनसे कहा गया कि पाकिस्तान के बारे में इस तरह के आधारहीन बयान स्वीकार्य नहीं हैं। सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भी ट्रंप के बयान की आलोचना की थी। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका के अभियानों में मारे गए पाकिस्तानियों का हवाला देते हुए कहा था कि अमेरिका के लिए पाकिस्तान जैसा कोई सहयोगी नहीं हो सकता। कोई देश दूसरे के लिए इतना त्याग नहीं कर सकता।

ह्वाइट हाउस ने दोहराई ट्रंप की बात

इस बीच, ह्वाइट हाउस ने फिर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात दोहराई है। ह्वाइट हाउस ने कहा, 'ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान से उम्मीद करता है कि वह अपने यहां आतंकियों के पनाहगाह की समस्या पर उचित कदम उठाए। पाकिस्तान इस समस्या से पार पाने में असफल रहा है, इसलिए प्रशासन ने उसे मिलने वाली सहायता रोक दी। हमें उम्मीद है कि पाकिस्तान इस बात को समझेगा कि अफगानिस्तान में अमेरिकी रणनीति में सहयोग करना पाकिस्तान के अपने हित में है।' अमेरिका व अन्य देश लंबे समय से यह शिकायत करते रहे हैं कि पाकिस्तान आतंकी संगठनों को पनाह देता है और उन्हें सीमा पार आतंक फैलाने की अनुमति देता है। पाकिस्तान ऐसे आरोपों को नकारता रहा है।

भूटान के साथ सहयोग बढ़ाने को भारत सर्वोच्च प्राथमिकता देता है: विदेश सचिव

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश सचिव विजय गोखले रविवार से तीन दिन के भूटान दौरे पर थे और इस दौरान उन्होंने भूटानी नेताओं से कहा कि भारत पड़ोसी देश के साथ अपने सहयोग के दायरे को और बढ़ाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के मुताबिक गोखले के दौरे में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और पारस्परिक हितों के विभिन्न मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। मंत्रालय ने कहा कि अपने भूटानी समकक्ष सोनम सोंग से बातचीत के अलावा विदेश सचिव ने भूटान के प्रधानमंत्री ल्योनच्चेन लोटे शेरिंग और विदेश मंत्री ल्योनपो तांडी दोरजी से भी मुलाकात की। शेरिंग ने पिछले महीने भूटान में अपनी पार्टी के आम चुनाव जीतने के बाद प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इस हिमालयी राष्ट्र में चुनाव के बाद भारत की तरफ से यह पहला उच्चस्तरीय भूटान दौरा है। गोखले ने नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और पूर्व नरेश जिग्मे सिंगये वांगचुक से भी मुलाकात की। मंत्रालय ने कहा, ''अपनी चर्चाओं में विदेश सचिव ने यह स्पष्ट किया कि भारत भूटान के साथ अपनी दोस्ती और सहयोग को और विस्तार देने को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है जो भूटान की शाही सरकार की प्राथमिकताओं पर आधारित है।''हालांकि यह अभी पता नहीं चल पाया कि गोखले और भूटान के विदेश सचिव के बीच बातचीत के दौरान क्या भारत, भूटान और चीन के बीच विवाद बना डोकलाम का मुद्दा भी उठा।

मेलबर्न में आतंकी हमले की साजिश रचने के आरोप में तीन गिरफ्तार

मेलबर्न (एजेंसी)।

मेलबर्न में आतंकवादी हमलों की कथित साजिश रचने के आरोप में तीन लोगों को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी ऐसे समय में की गई है, जब इस्लामिक स्टेट से प्रभावित हो कर, करीब दो सप्ताह पहले ही, नौ नवंबर को मेलबर्न में दो लोगों की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार तुर्की मूल के तीनों लोगों को रातभर छापेमारी करने के बाद गिरफ्तार किया गया। वे मेलबर्न में भीड़-भाड़ भरे इलाकों में हमले करने की योजना बना रहे थे।

मुख्य आयुक्त ग्राहम एश्टन ने बताया कि तीनों व्यक्ति निश्चित रूप से आईएसआईएस से प्रेरित थे, लेकिन उनका विशिष्ट संगठन से कोई नाता नहीं है। उन्होंने कहा, ''हमें विश्वास है कि आज सुबह उठाए गए हमारे कदम ने इस समूह से समुदाय को होने वाले किसी भी खतरे को खत्म कर दिया है।'' उन्होंने कहा कि हमें नहीं लगता कि समूह से इतर कोई भी खतरा मौजूद है। गिरफ्तार किए तीनों लोगों के नाम जारी नहीं किए गए हैं। मार्च से इन तीनों पर नजर रखी जा रही थी, लेकिन नौ नवम्बर को मेलबर्न हमले के बाद ये और सक्रिय हो गए थे।

अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत कराची में 2200 दुकानें ध्वस्त

कराची (एजेंसी)।

कराची के ऐतिहासिक स्थलों पर करीब 2200 अवैध दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया। नगर निकाय अधिकारियों द्वारा बड़े पैमाने पर शुरू किए गए अतिक्रमण रोधी अभियान के तहत इन दुकानों को गिराया गया। कई साल तक सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमणों को नजरअंदाज करने का आरोप लगने के बाद कराची मेट्रोपोलिटन कॉर्पोरेशन (केएमसी) को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी निर्देशों के बाद कार्रवाई करने पर मजबूर होना पड़ा। यह अभियान शहर के भूदृश्य में आमूल-चूल परिवर्तन लेकर आया है और सबसे अधिक गौर करने लायक बदलाव ऐतिहासिक महत्त्व रखने वाले एम्प्रेस मार्केट में हुए हैं। एम्प्रेस मार्केट का निर्माण ब्रिटिश शासन के दौरान महारानी विक्टोरिया की स्मृति में 1884 में हुआ था। कारोबारी हलचल वाली सद्दार पट्टी में स्थित यह मार्केट कभी कराची में व्यावसायिक और व्यापार कारोबार का केंद्र रहा था। बाजार में पिछले कुछ सालों में कई अवैध दुकानों का निर्माण हुआ। यह गतिविधि बेरोक-टोक चलती रही और दूसरे पुराने इलाकों में भी फैल गई। साथ ही शहर में जातीय विभाजन के चलते अधिकारी भी कोई कदम उठाने के प्रति अनिच्छुक ही रहे। हालांकि शीर्ष अदालत के इस मामले में दखल देने के बाद कराची के मेयर वसीम अख्तर ने कहा कि अवैध दुकानों को बिना किसी भेदभाव के गिरा दिया गया।

ट्रंप प्रशासन ने किया खुलासा, इस वजह से रोकी गई पाकिस्तान की मदद

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस ने कहा है कि ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान की सुरक्षा सहायता इसलिये रोक दी क्योंकि वह अपनी सीमा के भीतर आतंकवादियों के पनाहगाह की समस्या का निराकरण करने में विफल रहा. राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''(ट्रंप) प्रशासन ने हमेशा पाकिस्तानी नेताओं से स्पष्ट किया है कि वह उनसे अपेक्षा करता है कि वे पाकिस्तान में आतंकवादियों के पनाहगाह की समस्या का रचनात्मक तरीके से समाधान करेंगे.''

अधिकारी ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर कहा, ''चूंकि पाकिस्तान समस्या का समाधान करने में विफल रहा, इसलिये प्रशासन ने सुरक्षा सहायता रोक दी.'' पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर आतंकवाद के खिलाफ उनकी देश की लड़ाई के बारे में झूठा दावा करने के आरोप लगाने पर अधिकारी ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि पाकिस्तान महसूस करेगा कि अफगानिस्तान में अमेरिकी रणनीति के साथ सहयोग करना उसके अपने हित में है.''

रविवार को फॉक्स न्यूज को दिए गए साक्षात्कार और सोमवार को दो ट्वीटों में ट्रंप ने कहा था कि पाकिस्तान अमेरिका के लिये कुछ भी नहीं कर रहा है. उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान जानता था कि ओसामा बिन लादेन ऐबटाबाद में एक भवन में रह रहा है, लेकिन पाकिस्तान को दी गई सारी सहायता बेकार गई. उसे प्रतिवर्ष 1.3 अरब डॉलर की सुरक्षा सहायता दी जा रही थी.

नतीजतन ट्रंप ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सारी सुरक्षा सहायता में कटौती के अपने फैसले का बचाव किया. पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने जवाब में एक ट्वीट में कहा कि उनके देश ने अमेरिका की तरफ से आतंकवाद से लड़ते हुए काफी कुछ भुगता है. उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, ''अब हम अपने लोगों और हमारे हित में जो बेहतरीन होगा वह करेंगे.''

पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी सहायता में कटौती की मांग कर रहे सीनेटर रैंड पॉल ने ट्रंप के फैसले का समर्थन किया.

उन्होंने ट्रंप के पोस्ट को रीट्वीट करते हुए कहा, ''मैं पूरी तरह सहमत हूं. इसलिये हमें पाकिस्तान पर पूरी तरह दबाव बनाना चाहिये कि वह ईसाई महिला आसिया बीबी को

अमेरिका में शरण लेने दे.''पॉल ने ट्रंप से आसिया बीबी को राजनीतिक शरण और शरणार्थी का दर्जा देने का आग्रह किया है. आतंकी वारदात थी अमृतसर निरंकारी भवन पर हमला, पाकिस्तान का हाथ होने के संकेत

सरकारी काम के लिए इवांका ट्रंप ने निजी इमेल का इस्तेमाल किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बेटी और व्हाइट हाउस की शीर्ष सलाहकार इवांका ट्रंप ने पिछले वर्ष सरकारी कामकाज से संबंधित सैकड़ों ईमेल अपने निजी अकाउंट से भेजी थीं।'वॉशिंगटन पोस्ट' की खबर में सोमवार को कहा गया कि उक्त ईमेल व्हाइट हाउस के सहयोगियों, कैबिनेट के सदस्यों और इवांका ट्रंप के सहायकों को भेजे गये थे। कई ईमेल पब्लिक रिकॉर्डस नियमों का उल्लंघन करते हुए भेजे गये। गौर करने लायक बात यह है कि ट्रंप ने 2016 में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में अपनी प्रतिद्वंद्वी रहीं हिलेरी क्लिंटन की इस बात के लिए बुरी तरह आलोचना की थी कि उन्होंने विदेश मंत्री रहते हुए अपने निजी ईमेल सर्वर का इस्तेमाल किया था।

ट्रंप ने कहा था कि इसके लिए हिलेरी को जेल भेजा जाना चाहिए। इवांका के वकील अबे लॉवेल के प्रवक्ता पीटर मिरजानियन ने इस बारे में कहा, ''सरकार बदलने के दौरान उन्होंने कभी-कभार निजी अकाउंट का इस्तेमाल किया।'' मिरजानियन ने जोर देकर कहा कि संदेशों में कोई भी गोपनीय जानकारी नहीं भेजी गई। उन्होंने कहा कि किसी भी ईमेल को डिलीट नहीं किया गया है और रिकॉर्डस कानूनों के अनुरूप उन्हें सुरक्षित रखा गया है। उन्होंने कहा, ''जब इस बारे में 14 महीने पहले प्रेस में बातें आईं, तब इवांका ट्रंप ने व्हाइट हाउस के वकील के साथ अपने ईमेल इस्तेमाल की समीक्षा की और उसे सत्यापित किया। उन्होंने इस बारे में कांग्रेस के नेताओं को भी बताया।''

'शोले' का गाना गाकर वियतनाम में छात्राओं ने किया राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने तीन दिवसीय यात्रा पर वियतनाम गए हुए हैं. कोविंद की बतौर राष्ट्रपति दक्षिण पूर्व एशिया की यह पहली यात्रा है. वियतनाम पहुंचने पर कोविंद का जोरदार स्वागत किया गया. इस स्वागत के बीच सबसे सुखद पल तब रहा जब वहां के दूतावास के कर्मचारियों और विश्वविद्यालयों के छात्रों ने शोले फिल्म का गाना %ये दोस्ती हम नहीं तोडेंगे गाकर कोविंद का स्वागत किया. कोविंद इस दौरान देश के शीर्ष नेताओं के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के तौर तरीकों पर चर्चा भी की. राष्ट्रपति सचिवालय ने ट्वीट भी किया, ''वियतनाम के डा नांग में पहुंचने पर मेरा जोरदार स्वागत किया गया. भारत के राष्ट्रपति के तौर पर दक्षिणपूर्व एशिया की यह मेरी पहली यात्रा है.

भारत और वियतनाम के बीच घनिष्ठ और सौहार्द्रपूर्ण संबंध है. मैं अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के प्रति आशान्वित हूं.'' डा नांग मध्य वियतनाम में एक तटीय शहर है. वियतनाम पहुंचने के बाद कोविंद ने डा नांग पीपुल्स समिति के नेताओं के साथ बातचीत की. कोविंद दो देशों की अपनी यात्रा के तहत आस्ट्रेलिया भी जायेंगे.

वियतनाम में हिन्दू मंदिर गए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार को वियतनाम स्थित 'माई सन मंदिर' देखने गए. इस मंदिर पर हिन्दू प्रभाव है और यहां कृष्ण, विष्णु तथा शिव की मूर्तियां हैं. वियतनाम की तीन दिवसीय यात्रा पर आए राष्ट्रपति कोविंद ने अपनी यात्रा के यादगार के रूप में मंदिर परिसर में एक पौधा भी लगाया. वियतनाम में 'माई सन' परित्यक्त और आंशिक रूप से ध्वस्त हिन्दू मंदिर हैं.

इनका निर्माण चम्पा के राजाओं ने चौथी से 14वीं शताब्दी के बीच कराया था.

मंदिर परिसर मध्य वियतनाम के क्वांग नाम प्रांत के दुय फू गांव के पास स्थित है. मंदिर परिसर करीब दो किलोमीटर लंबी-चौड़ी घाटी में स्थित है जो दो पहाड़ों से घिरा हुआ है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट किया है, ''राष्ट्रपति कोविंद ने वियतनाम में 'माई सन टेंपल' की यात्रा की. वह चम्पा राज्य की राजनीतिक और सांस्कृतिक राजधानी थी.

मंदिर परिसर पर भारतीय प्रभाव है. वहां कृष्ण, विष्णु और शिव जैसे देवताओं की मूर्तियां हैं. उन्होंने अपनी यात्रा के यादगार के रूप में एक पौधा भी लगाया.'' उन्होंने लिखा है, ''सभ्यताओं का संगम. राष्ट्रपति कोविंद ने वियतनाम के दा नांग शहर में स्थित चाम संग्रहालय की कलाकृतियों की प्रशंसा की.

चम्पा राज्य के शिल्प वहां प्रदर्शित किए गए हैं जिनपर हिन्दू धर्म का गहरा प्रभाव है.'' कोविंद ने 'माई सन मंदिर' परिसर में आयोजित स्थानीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का लुत्फ लिया. राष्ट्रपति दो देशों की यात्रा के पहले चरण में वियतनाम गए हैं. यहां से वह ऑस्ट्रेलिया जाएंगे.

महालक्ष्मी सोसायटी भेस्तान में एक प्लॉट की दो फाईल बना कर बेचने का कारोबार जोरो पर

सूरत। महालक्ष्मी सोसायटी में एक ही प्लाट को बिल्डर द्वारा दो फाइल बना कर की ठगी। इस तरह की जानकारी फरियादी के फरियाद पर से हो रही हैं लोगों अपने पैसे की बचत करने के लिये जमीन खरीदने वालो को एक शिक्षा के रूप में यह देखा जा रहा हैं, जो की अनिल दुबे नामक व्यकित जो डिंडोली, गोडादरा, भेस्तान, सचीन में साईं ज्योति और अन्य सोसायटी में अनिल दुबे की एक प्लोट की दो फाइलें बना कर बेचने का महारथी हैं, जिसके के खिलाफ अलग अलग-थाना क्षेत्रों में कई फरियाद होने के बावजूद आज तक कोई कार्यवाही नही की गई है। कुछ पुलिस स्टेशन में फरियाद दाखील होने के बावजूद भी आज तक सचीन के तलंगपुर ग्राम पंचायत में चल रहे साईं ज्योति सोसायटी और महालक्ष्मी सोसायटी में भी एक ही प्लोट की दो फ़ाइलें बना कर बेचने वाले लोगों से परेशान हो कर ग्राम पंचायत के लोगों ने इस सोसायटी में कोई भी कार्यकरने से बंद करा दिया.

महालक्ष्मी सोसायटी भी अनिल दुबे नामक ओर्गनाईज ने किया हुआ हैं जिसके बाद वहअपना नाम लोगों से छुपाने के लिये अन्य लोगों का सहारा ले रहे हैं, जिसके लिए महालक्ष्मी सोसायटी में प्लोट न. ६२ के पर जाँच करने पर यह पता लगा की अगर पुलिस इस विषय पर जाँच करने पर कोई जाने माने प्रतिष्ठित व्यक्तियों के नाम सामने आयेगे, हालांकि डिडोली पुलिस ने फरियाद दर्ज कर आगे की कार्यवाही कर रहे हैं, पुलिस जांच के बाद ही पुरा सच सामने आ सकेगा।

सूरत के कनकपुर में स्वस्थ भारत सायकल यात्रा का आगमन, सायकल सवारों का स्वागत

सूरत। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी की 150 वीं जन्म जयंती के अवसर पर फूड से टी एन्ड स्टाडर्न्ड ऑथोरिटी ऑफ इंडिया,नई दिल्ली के तत्वावधान में पूरे देश में 2 अक्टूबर से आयोजित स्वस्थ भारत सायकल यात्रा सूरत जिले में कनकपुर पहुंची। जिसका जिला प्रशासन द्वारा स्वागत किया गया। ईट राइट इंडिया मुवमेन्ट की थीम पर कुपोषण, खुराक से तथा बीमारी को रोकने के लिए स्वस्थ खुराब मिले इस हेतु से स्वस्थ भारत सायकल यात्रा नाम से देशव्यापी सायकल यात्रा सचिन से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे सूरत शहर में प्रवेश किया। सायकलिस्टो का जिला कलक्टर डॉ. धवल पटेल, मेयर डॉ.जगदीश पटेल द्वारा स्वागत किया गया। परंपरागत आदिवासी नृत्य और तुरी वाद्यों के सूरों के साथ यात्रा का जिले में प्रवेश के समय स्वागत किया गया। सिटीलाइट के साइंस सेन्टर में आयोजित स्वागत समारोह में जिला कलक्टर डॉ. धवल पटेल समेत अग्रणियों के हाथो सायकलिस्टो को सन्मानित कर प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। इस यात्रा में सूरत से स्थानीय 50 सायकलवीर एन.सी.सी केडेट्स सहित वोलेन्टियर्स शामिल हुए थे।

स्वस्थ भारता यात्रा सफलतापूर्वक हो और गुजरात के लोगों को स्वस्थ, स्वच्छ, पोषणयुक्त खुराक मिले और छौर तक शुद्ध और अच्छा भोजन मिले इसको लेकर जागृति की जाएगी। यात्रा में रात्रि ठहराव दौरान हर स्थलों पर प्रभात फेरी, वीडियो फिल्म निदर्शन, वॉल पेन्टिंग जैसे जनजागृति कार्यक्रम आयोजित कर गांधीजी को श्रद्धजंलि दी जाएगी। पूरे भारत में यात्रा विविध स्थलों से शुरू होकर 18 हजार किमी का भ्रमण कर नई दिल्ली में स पत्र होगी। इस अवसर पर विधायक विवेक पटेल, सिटी प्रांत बी.एस.पटेल, एफ.एस.एस.आई के कॉ-ऑर्डिनेटर अखिलेश गुप्ता, कमान्डिंग आफिसर कर्नल उमाकांत शर्मा समेत बड़ी सं या में लोग उपस्थित रहे।

कपड़ा व्यापारी ने 12वीं मंजिल से कूद कर की आत्महत्या

सूरत. खटोदरा के वेसू में पुण्यभूमि सोसाइटी में एक 56 वर्षीय कपड़ा व्यापारी ने 12वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। मृतक के ससुर का कहना है कि वह कुछ दिनों से डिप्रेशन में थे इसलिए हो सकता है कि इसी वजह से आत्महत्या की हो। बिल्डिंग के वॉचमैन विकास ने बताया कि मृतक महेश पनपालिया ने रविवार को शाम 7.30 बजे के करीब 12वीं मंजिल से छलांग लगाई। उस समय वह गेट पर ही बैठा था, तभी अचानक जोर से आवाज आई और वो देखने के लिए भागा तो फ्रंट साइड पर उसे कुछ नहीं दिखा।

दूसरी तरफ जाकर देखा तो महेश भाई नीचे गिरे हुए थे। उनका हाथ टूट गया था और सिर भी फट गया था, लेकिन वह जीवित थे। महेश भाई अच्छे इंसान थे और हमेशा हमारा हाल-चाल पूछते थे। और किसी भी चीज की कमी हो तो सामने से आकर बताने को भी कहते थे।

मृतक के ससुर रामेश्वर ने बताया कि महेश किस बात से डिप्रेशन में थे यह तो पता नहीं है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह चिंतित जरूर थे। उनका कपड़ा मार्केट में दुकान है, जो उनके बेटे प्रवीण और प्रमोद संभालते हैं। कभी-कभी मार्केट चले जाते थे। सारा परिवार राजस्थान के जोधपुर से करीब 10 से 12 साल पहले आया था।

बेटे ने कहा- मानसिक स्थिति खराब थी

मामले की जांच कर रहे खटोदरा थाने के हेड कांस्टेबल राकेश भारत ने बताया कि मृतक पुण्यभूमि सोसाइटी की एकलव्य बिल्डिंग के तीसरी मंजिल पर रहता था। उसके बेटों ने बताया कि पिछले कई दिनों से उसकी मानसिक स्थिति खराब थी, लेकिन अभी ज्यादा पूछताछ नहीं की है। अंतिम क्रिया के बाद पूछताछ की जाएगी।

80 दिन पहले महिला भी कूदी थी

वेसू के पुण्यभूमि की एकलव्य बिल्डिंग के 9वीं मंजिल से 1 सितम्बर को खिड़की से कूद कर 57 वर्षीय मंजूदेवी बरनवाल ने आत्महत्या कर ली थी। वह पिछले 6 साल से डिप्रेशन में थीं। इसी डिप्रेशन में आकर उन्होंने बिल्डिंग से छलांग लगा दी। पड़ोसियों ने बताया कि इससे पहले भी कई बार उन्होंने कूदने की कोशिश की थी, मगर पड़ोसियों ने अक्सर समय पर खबर दे दी थी। मृतका बिहार के जमुई जिले की थी। पिछले कई सालों से उनका परिवार सूरत में टेक्सटाइल का बिजनेस करता है। सालों पहले उनके पति शंभु का देहांत हो गया था। महिला के शव का पोस्ट मार्टम करने के बाद परिवारजनों ने उनका नेत्रदान करा दिया था।

डर से वॉचमैन अब दूसरी बिल्डिंग में सोते हैं

दूसरे वाचमैन आत्माराम ने बताया कि 12वीं मंजिल के ऊपर ही सारे वाचमैन रहते हैं। जब महिला कूदी है तब से वहां जाने से डर लगता है। अब सोने के लिए सामने की बिल्डिंग में जाते हैं। अब तो महेश भाई ने 12वीं मंजिल से ही कूदकर आत्महत्या कर ली है तो और डर लगने लगा है।

नोटबंदी के दौरान संदिग्ध पाए गए पांच हजार करोड़पतियों के खातों की दोबारा शुरू होगी जांच

सूरत. हाल में ही स्क्रूटिनी एसेसमेंट में नोटबंदी के केस खुलने से करदाताओं पर बोझ पड़ेगा। नोटबंदी के दौरान सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स विभाग द्वारा जो केश इंवेस्टिगेशन विंग को सौंपे गए थे, वही केस अब अलग-अलग रेंज द्वारा ओपन किए जा रहे हैं, ऐसी जानकारी मिली है।

उल्लेखनीय है कि नोटबंदी के दौरान 5000 ऐसे खातों की जानकारी मिली थी जिनमें एक करोड़ से अधिक जमा हुए थे। उस समय इंवेस्टिगेशन विंग ने ज्यादातर केसों में जांच ही नहीं की थी। केवल स्टेटमेंट के आधार पर केसों का निराकरण लाने का प्रयास किया था। दूसरे चरण में इंवेस्टिगेशन विंग को बैंक डिपोजिट की जानकारी दी गई थी। इनमें 50 केसों में छापा मारकर 200 करोड़ का कालाधन ढूंढ़ निकाला था।

दो साल बाद अब रेंज अधिकारी करेंगे जांच: दो साल बाद नोटबंदी के समय के केसों की जांच रेंज अधिकारी करेंगे। कुल छह रेंज में अधिकारियों को बांटा गया है। इनमें से तीन रेंजों में अभी तक जांच नहीं शुरू हुई। इनमें रि-ओपन होने वाले ऐसे केस भी शामिल किए जाएंगे। जिनके खातों में अन्य लोगों ने पैसा जमा कराकर करदाताओं से कमिशन लिया हो।

आईटी ने जब करोड़पतियों की लिस्ट के आधार पर जब जांच शुरू की तो इसमें ज्यादातर बिल्डर, कुछ ज्वेलर्स, सब्जी बेचने वाली महिला भी दायरे में आ गई थी। महिला के बचत के अलावा उसे अन्य व्यापारियों ने पुराने नोट दिए थे जो उसने बैंक में जमा कराए थे। महिला के खाते में 70 लाख रुपए जमा हुए थे। इसका खुलासा तब हुआ जब अधिकारी एक करोड़ से अधिक की डिपोजिट की जांच कर रहे थे। पांच हजार से अधिक केसों में अधिकारियों ने स्टेटमेंट लिए थे। केस संबंधित रेंज को भेज दिए गए है।

विश्व श्रद्धांजलि दिन पर सूरत में सड़क हादसे के शिकार हुए लोगों को दी श्रद्धांजलि

सूरत। सड़क हादसे में भोग बने मृतकों क लिए विश्व में नवंबर माह के तीसरे रविवार को वर्ल्ड डे ऑफ रिमे बरन्स- विश्व श्रद्धांजलि दिन के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। सूरत में भी सड़क हादसे में शिकार हुए लोगों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देने तथा मार्ग अकस्मातों का प्रमाण कम हो इसके लिए जागृति लाने का प्रयास स्वरूप सूरत के पाल स्थित आरटीओ द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम हुआ। श्रद्धांजलि दिन पर तीन दिवसीय जन जागृति कार्यक्रम के तहत वाहन चालकों को पत्रिका का वितरण करने के साथ गुलाब का फूल कर ट्रैफिक नियमन की जानकारी दी। ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करनेवाले वाहन चालकों को टीम वान ट्रेनर अंकित चौधरी और किस्मत वसावा तथा प्रो.एक्जिक्युटिव महेश परमार द्वारा काउंसेलिंग की गई। ए.आर.टी.ओ एच.ए पटेल के मार्गदर्शन में आरटीओ में हुए सेमिनार में पांच मिनट का मौन रखकर मार्ग अकस्मात के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। आरटीओ पार्थ जोषी समेत अधिकारियों के हाथों मृतात्मा की याद में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर आरटीओ आसिस्टन्ट इन्स्पेक्टर पी.आर.कठवाडिया, डी.आर. प्रजापति, एन.जी.शाह, आर.के.पटेल, बी.के. वसावा, आर.एम. वणपरिया का सहयोग मिला।

बुलेट ट्रेन की जमीन मापने के लिए 5 गांवों में विरोध

नवसारी। जिले के 5 गांवों में आपत्ति जताए जाने के कारण बुलेट ट्रेन की जमीन मापनी नहीं हो सकी है। इन गांवों में अवरोध दूर करने सक्षम जमीन अधिग्रहण अधिकारी ने उक्त गांवों में पत्र लिखकर आपत्ति जताने के लिए प्रांत कार्यालय पर आने की अपील की है। नवसारी जिले में कुल 28 गांवों से बुलेट ट्रेन गुजरने वाली है। इनमें से फिलहाल 5 गांवों के किसानों को 19 नवम्बर को अपनी आपत्ति पेश करने के लिए बुलाए जाने की जानकारी प्राप्त हुई है। केंद्र की मोदी सरकार का बुलेट ट्रेन महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। मुंबई से अहमदाबाद के बीच दौड़ने वाली बुलेट ट्रेन यहां नवसारी जिले के 28 गांवों से गुजरने वाली है। इसलिए पिछले कई दिनों से इन गांवों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिसके अंतर्गत पिछले दो से ढ़ाई महीने से जमीन की संयुक्त मापनी का काम चल रहा है। इसके लिए शुरूआत के चरण में लोगों द्वारा कड़ा विरोध जताया गया था। पुलिस और उच्च अधिकारियों की उपस्थिति के बावजूद कई गांवों में जमीन मापनी का काम पूरा नहीं हो सका है। हाल ही में जिले के 5 गांवों में विरोध के चलते जमीन मापनी नहीं हो सकी है। इन गांवों में परथाण, आमडपोर, वेजलपोर, केसली और पाटी गांव शामिल है। इन 5 गांवों में संयुक्त जमीन मापनी का काम पूरा करने के लिए प्रशासन हरकत में आ गया है। हाईस्पीड ट्रेन प्रोजेक्ट के सक्षम जमीन अधिग्रहण अधिकारी और प्रांत अधिकारी द्वारा विरोध के कारण अभी जिन गांवों में मापनी पूरी नहीं हुई है ऐसे गांवों के लिए पत्र लिखा गया है। इस पत्र में किसी को आपत्ति हो तो रूबरू मुलाकात करने के लि ए प्रांत अधिकारी के कार्यालय पर निर्धारित तारीख को उपस्थित रहने की ताकीद की गई है।

जिले के इन गांवों में पूरा हुआ जमीन मापने का काम : उडाच वाणिया फलिया, एकटी, नांदरखा, देसाड, खेरगाम (गणदेवी), वडसांगल, धनोरी, पाथरी, माणेकपोर, पिंजरा, इच्छापोर, खडसुपा, कछोल, गणेश सीसोद्रा, नसीलपोर, वीरवाडी, धारागीरी, आमरी, पडघा, धामण, डाभेल, आसणा।

समस्या जानने के लिए किसानों को बुलाया गया है : पांचों गांवों में जमीन की मापनी पूरी नहीं हो सकी है। वहां पर कई समस्याएं होने की जानकारी मिली है। इन गांवों की समस्याएं जानने के लिए कई लोगों को बुलाया गया है।

सोमवार को स्कूल नहीं खोलने वाले 164 संचालकों को नोटिस

7 दिन में मांगा जवाब

सूरत। दिवाली की छुट्टी 14 दिन की बजाय 21 दिन करने वाले 164 स्कूलों को जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से नोटिस जारी कर सात दिन के अंदर जवाब मांगा गया है। हालांकि स्कूल संगठन का कहना है कि उन्होंने नवरात्रि के दौरान छुट्टी कम दी थी इसलिए दिवाली की छुट्टी को बढ़ाया गया है।

इसमें कुछ भी गलत नहीं है। उधर नोटिस जारी करने वाले जिला शिक्षा अधिकारी यूएन राठौड़ कार्रवाई की जिम्मेदारी सरकार पर डाल रहे हैं। हमें सिर्फ ऐसी स्कूलों को नोटिस जारी करने को कहा गया है जिन्होंने स्कूल नहीं खोला है। हमने लगभग 400 स्कूलों का सर्वे किया, इसमें 164 स्कूल खुली पाई गईं, जिन्हें नोटिस जारी कर सात दिन के अंदर जवाब देने को कहा है।

स्कूलों के जवाब शिक्षा विभाग के पास भेजकर कार्रवाई की मांग करेंगे। हालांकि राज्य शिक्षा नियामक ने स्पष्ट कहा है कि यह जिम्मेदारी जिला शिक्षा अधिकारी की है। ऐसे में सवाल उठता है कि जिला शिक्षा अधिकारी और राज्य शिक्षा नियामक अधिकारी में से कौन सही बोल रहा है।

नवरात्रि वेकेशन पर भी मिला था नोटिस, कार्रवाई नहीं हुई

राज्य शिक्षा नियामक एमआई जोशी ने कहा- स्कूल संगठन और राज्य सरकार की लड़ाई में स्कूलों पर कार्रवाई की बात तो की जा रही है, लेकिन कोई इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सिर्फ नोटिस देकर जिम्मेदारी से इतिश्री की जा रही है। क्योंकि नवरात्रि के 7 दिन के वेकेशन को लेकर भी इसी तरह की नोटिस दी गई थी, लेकिन आज तक स्कूलों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

दो बेटियों ने पिता की अर्थी को दिया कंधा

वलसाड। वलसाड के मरला गांव की दो बेटियों ने धरमपुर में पिता की अर्थी को कंधा देकर मुखाग्नि दी। बेटियों के अंतिम संस्कार करने से श्मशान में मौजूद सभी की आंखें भींग गई। बेटा न होने पर बेटियां अपना फर्ज निभाने में कोई कसर बाकी नहीं रखती हैं। सोमवार को धरमपुर में पिता का अंतिम संस्कार करके बेटियों ने इस कहावत को चरितार्थ किया है।वलसाड में मरला गांव के गामथाणा फलिया में रहने और वलसाड रेलवे के केरेज एंड वैगन विभाग में ओएस की नौकरी करने वाले वेस्टर्न रेलवे के मजदूर संघ के खजांची विजय छगनभाई पटेल (54) का सोमवार को निधन हो गया। विजयभाई की संतानों में दो बेटियां निधि और श्रेया पटेल हैं। निधि एमएससी तक पढ़ाई की है जबकि श्रेया बीएससी में पढ़ रही है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित,
संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)